

हात्ती पीडितद्वारा नगरपालिका घेराउ



मणिलाल विश्वकर्मा

लहान । सिराहाको लहानसँगै जोडिएको सुरुङ्गा नगरपालिका-३ र ४ का हात्ती पीडितहरूले शुक्रबार अपरान्ह हात्ती आतंक रोक्न पहल नगरेको भन्दै मधुपट्टिको कनकपुरस्थित नगर कार्यपालिका घेराउ गरेका छन् । सप्तरीको उत्तर पश्चिम क्षेत्रमा चुरेको काखमा अवस्थित सुरुङ्गा नगरपालिका-३ दौलतपुर र ४ मधुपट्टिका हात्ती पीडितहरूले पछिल्लो तीन हप्तादेखि जंगली हात्तीको समूहले आतंक मच्चाई रहेको भएपनि नगरपालिका मौन रहेको भन्दै घेराउ गरेका हुन् । पछिल्लो पल्ट बिहीबार राती

जंगली हात्तीको समूहले मधुपट्टि गाउँका दिपेन्द्र राम, महेन्द्र राम, रामअशिष राम, पार्वती राम, गुन्देश्वर राम र सलेन्द्र रामको घर भत्काउनुका साथै घरमा राखिएको अन्नपात खाइदिएको वडा सदस्य देवलाल रामले बताए ।

मध्यरातमा आएको हात्तीको समूहले घर भत्काएर गयो मधुपट्टि गाउँका पीडित लक्ष्मी यादवले भने 'गाउँलेहरूले आगो बालेर टिन टटाउँदै भगाएको हात्ती करिब एक घण्टापछि पुनः फर्किएर बोरामा बाँधेर राखेको करिब पाँच क्विण्टल धान खानुका साथै छरपट्ट गरेर हिड्यो ।' बस्ती अर्का पीडित रामअशिष रामले भने 'हात्तीले घर भत्काएपछि चिसोमा जहान

बालबच्चाको ज्यान जोगाउने मुस्किल पर्नेभयो ।'

हात्ती पीडितहरूले शुक्रबार अपरान्ह करिब दुई घण्टा नगर कार्यपालिका घेराउ गरेपछि नगर प्रमुख मुक्तिनाथ चौधरीले हात्ती आतंक विरुद्ध नगरपालिकाले हात्ती नियन्त्रणका लागि नगरपालिकाको केही अधिकार नभएको र नगरपालिकाको तर्फबाट तत्काल राहत उपलब्ध गराउन बाहेक केही गर्न नसकिने बताए । 'प्रमुख जिल्ला अधिकारी, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका प्रहरी उपरीक्षक, डिभिजन वन प्रमुखसहितको टोलीले चार दिनअघि प्रभावित बस्तीको स्थलगत अनुगमन गर्‍यो' नगर प्रमुख चौधरीले

भने 'जिल्लाका प्रमुखहरूले नै आफ्नो ज्यान आफैँ जोगाउनुस् तर संरक्षित जनावर हात्तीलाई केही हुनु हुँदैन भनेपछि मैले के गर्न सक्छु ?'

नगर प्रमुख चौधरीले हात्ती पीडितहरूलाई भेटेर तत्काल सान्त्वनासहित केही राहत दिएको बताउँदै जंगली हात्तीबाट जोगिन आलोपालो जाग्राम बसेर पहरा दिन सुझाएको बताए । 'त्यसबाहेक अन्य विकल्प नै देखिन' उनले भने 'हात्तीलाई क्षति हुनेगरी केही गर्नु हुँदैन भन्ने जिल्लाको निर्देशन छ ।' त्यसअघि जंगली हात्तीको समूह देखेर भाग्ने क्रममा घाइते भएका सुरुङ्गा नगरपालिका-३ दौलतपुर गाउँका एक बूढको सोमबार बिहान उपचारको क्रममा

मृत्यु भएको थियो । आफ्नै घरमा सुतेका करिब ७० वर्षीय सीताराम साह बिहान करिब ३ बजेतर पिसाव गरेर उठ्ने क्रममा नजिकै हात्तीको समूह देखेपछि भाग्ने क्रममा घाइते भएका थिए । घरका अन्य सदस्यहरूले थाहा पाए लगत्तै लहानस्थित सप्तऋषि अस्पतालमा उपचारार्थ भर्ना गरिएका साहको उपचारको क्रममा मृत्यु भएको थियो ।

पीडितहरूलाई राहत

जंगली हात्तीको समूहले घर भत्काउनुका साथै मजदुरी गरेर जोहो गरेको अन्त्यात समेत खाइदिएपछि शुक्रबार साँझ सुरुङ्गा ४ मधुपट्टिस्थित जनचेना दलित संगमले मधुपट्टि गाउँका सात पीडित परिवारलाई

बाँकी ३ पेजमा

वेपत्ता बालकको शव आँप बगौचामा भेटियो

सप्तरीको तिलाठी कोइलाडी गाउँपालिकाबाट बिहीबार वेपत्ता भएका एक बालकको शव शुक्रबार सोही गाउँपालिकामा आँपको बगौचामा पराल र आँपका हाँगाले छोपिएको अवस्थामा फेला परेको छ ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय सप्तरीका अनुसार तिलाठी कोइलाडी गाउँपालिका-३ सकरपुराका रोहित मुखियाका ५ वर्षीय छोरा आनन्दको मृत शरीर शुक्रबार दिउँसो घरबाट पाँच सय मिटर टाढा रहेको आँपको बगौचामा पराल र आँपको हाँगाले छोपेर राखेको अवस्थामा फेला परेको हो ।

उनको ढाड र टाउँकोमा गहिरो चोट देखिएको छ । बालक आनन्द बिहीबार दिउँसोदेखि वेपत्ता थिए । उनी घरबाट ५ सय मिटर टाढा रहेको आँप बगौचामा साथीभाईसँग खेलन गएका बेला वेपत्ता भएका थिए । अवेर साँझसम्म छोरा घर नफर्किएपछि

बाँकी ३ पेजमा

विद्युत सर्ट भई आगलागी हुँदा वृद्धको मृत्यु

विद्युत सर्ट भई शुक्रबार आगलागी हुँदा एक वृद्धको जलेर मृत्यु भएको छ । प्रहरीका अनुसार राजविराज नगरपालिका-१६ स्थित बोरिया टोलमा शुक्रबार बिहान ३ बजेतिर विद्युत सर्ट भई मिश्रिलाल यादवको घरमा आगलागी हुँदा उनका ८५ वर्षीय बुबा भलाय यादवको जलेर मृत्यु भएको हो ।

खाना खाएर राति १० बजेतिर घरआगनमै रहेको गोठमा सुतेका उनी बिहान ३ बजेतिर अचानक विद्युत सर्ट भई



आगलागी हुँदा भाग्न नसकेर जलेको र घटनास्थलमै मृत्यु भएको डिएसपी भुवनेश्वर साहले

जानकारी दिए । बाक्लो शितलहरका समयमा आगलागी

बाँकी ३ पेजमा

छिटो भनेकै

WORLDLINK

3C

25 Mbps

Rs. 1,250*

6C

Rs. 2,700*

SPEEDMA BOOST

नगदमा घुट

FREE

Enjoy 100+ HD Channels & 150+ SD Channels FREE with WorldLink

Lahan office: 033-561429, 033-561430 | Mirchaiya: 033550505, | Golbazar: 9801186055, | Kalyanpur: 031-540229



फ्रेंड्स मोडेल हस्पिटल, लहान-४

(शिव मन्दिरको उत्तरपट्टि रघुनाथपुर)

हाम्रो सेवाहरू

NICU सहितको प्रसुति सेवा
२४ औं घण्टा इमरजेन्सी सेवा

डाक्टरहरू

| | |
|----------------------|--------------------|
| बालरोग विशेषज्ञ | डा. वृजेन्द्र यादव |
| मधुमेह, प्रेसर | डा. ल्युस्युन यादव |
| प्रसुति रोग विशेषज्ञ | डा. विरेन्द्र यादव |

चौबटिया

गजल

ने कहके आट रखैत छी

■ सुधा मिश्र



भुलि नई सकैछी ने कहके आँट रखैत छी
मोन ही मोन सही बहुत याद करैत छी

व्याकुल होइछी जखन देखलाय सुरतके
अँहाके डि.पी. के जुम कय कअ देखैत छी

जहिया सँ सँग अँहाके सिनेह जुडल
कि बुझबै? अपनाके कोना सम्हारि रखैत छी

कि चिज होइत छै इ सिनेह नहि जानि?
मुस्किल धीर राखब तैयो धीर रखैत छी

कहियो त भिजब ?अहि बताहिके नेहमे
उम्मीदके किरणके जगमगाक रखैत छी

मधुर मिलनके आस यो

हरियर सारी हरियर चुरी हरियर छैक मास यो
मास छैक मधुमास इ मधुर मिलनके आस यो

दुर रहब नहि उचित अपन कनियो वियाही सँ
लौटु अपन मरैयामे कते हमरा करब उदास यो

पल पल अँहाक यादमे अँहिक सपना सजबै छी
हम अँहाक अँहा छी हमर बात बहुतछै खास यो

खोजलो सँ नहि भेटत एहन सिनेह प्यार दुलार
पति-पत्नीक नाता अनमोल करु इ एहसास यो

अहि छी हमर अहिबात भाग अँहिसँ श्रृङ्गारभाव
छुबिक हमर धडकनके गमका दिय ने साँस या

दुर जो कोनाक बेमत भेल छी ?

दशमीबाट तकिते बितल कोजगराक चान उगादीय
फुल हमर फुलल अछि आबि अँहा आँगन गमकादीय

धोती कुर्ता गमछामे अँहा लगबै जेना नवका वर यो
ललितगर नुवा पहिर हमहु बटबै पान मखान यो

छन् मन छन् मन तरुवा तरबै छमैक जेतै पाजेब यो
जँ निहारबै अँहा हमरा शिरी चढतै हमर श्रृङ्गार यो

धकधक धकधक हम धडकबै अँहु हेबै नेहाल यो
दूर जो कोनाक बेमत भेल छी ? पुरुषक कुन आश यो

सलहेस क्षेत्रक पर्यटकीय सम्भावना

गताकको बाँकी अंश... पश्चिमदिशस्थित मन्दिरमे सलहेसक मूर्ति हाथीपर स्थापित छैक । एहि मूर्तिके दाँहि भाग आ बाँम भागमे मालिन (दौना आ कुसमा) क छोट बहिनक आकर्षक मूर्ति अखनो विद्यमान छैक । अखाडाक पूर्वदिसि दोसर मन्दिर छैक जाहिमे घोडापर सवार राजा कुलेश्वर आओर हुनक भाए हरि सिंह देवक मूर्ति स्थापित छैक । सलहेस गाथामे एकरो उल्लेख भेल छैक जे राजा सलहेस घोडापर चढि अपन प्रेमिकासभसँ भेट करबाक हेतु तरेगना गढ आबैत छलाह आ सलहेससँ मिलबाक लेल मालिनसभ जाइत छलीह

"दौना मालिन दक्षिणके चीर पहिरलन्हि,
नैना काजर कएलन्हि,
हाथमे बाँक पहिरलन्हि,
माथमे टिकुली साटि लेलन्हि,

चलली स्वामीक उदेश ।"
पर्यटकसभकेँ आकर्षित करबाक लेल सलहेस गाथाकेँ Light and sound प्रकाश आ ध्वनीके द्वारा सलहेस फुलबाडीमे एक घण्टाक कार्यक्रम प्रतिदिन साँभमे सम्पन्नक कएल जाए आओर सलहेस नृत्यनाटिकाके सेहो साथ-साथमे प्रदर्शन कएल जाए तऽ विदेशी मुद्रा आर्जन कएल जा सकैत अछि । मुदा एकराले राजनैतिक पहल आवश्यक छैक । कमसँकम मधेशी नेतागण एकरावास्ते इमान्दारीपूर्वक एहि नाटक कार्यक्रम सम्पादन करैथ तऽ सलहेस फुलबाडी पर्यटकस्थली शीघ्रतातिशीघ्र भऽ जाएत कोनो शंका-उपशंकाक नहि ।

भारतीय विद्वान आ संस्कृतिविज्ञ राधाकृष्ण चौधरी सलहेस नृत्यनाटिकाक बारेमे लिखने छथि -

"It is practically one man's show the priest who monages. Tje wjp;e affaor bu tre. b;omg sjpitemg, running moving on the edge of the sword encharting the songs of salhes and finally distributing favours on the devotees. Right from the beginning to end the dance is thrilling to the ears and eyes." Radha Krishna chaudhary :

Mithila in the age of vidyapati . p.389.

नेपाल पर्यटन वर्ष करोडौं रूपैयाके बजेट खर्च करैत समाप्त भऽ गेल मुदा सलहेसक फुलबाडीक गणना कि करत मधेशक कोनो सांस्कृतिक सम्पदादिसि एकर ध्यान नहि गेल । मधेश एखनो उपेक्षित छैक आ मधेशक सांस्कृतिक सम्पदा तऽ आओर उपेक्षित छैक । नेपालक धन 'हरिअर वन' तऽ कहिया समाप्त भऽ गेल । सौभाग्यक बात इएह मानू जँ सलहेस फुलबाडीदिसि राजनैतिक गिद्ध दृष्टि एखनधरि नहि पडल अछि नहि तऽ ई कहिया समाप्त भऽ गेल रहैत । सलहेस फुलबाडीक जेहन सांस्कृतिक सम्पदाक संरक्षण आ सम्बर्द्धन करबाक उत्तरदायित्व नया पुस्ताक कान्हपर आएल छैक । मधेशक नया नेतृत्व देवाक लेल नया पुस्ताके आँगा आबै पडत तहने सांस्कृतिक सम्पदा जे मधेशक गौरव छैक तकर सुरक्षा भऽ सकैत छैक अन्यथा मधेशक कोनो सांस्कृतिक सम्पदा सुरक्षित रहबाक प्रश्न नहि उठैत छैक । एहि सन्दर्भमे सलहेसक ग्रामीण पर्यटकीय अवधारणासँ विदेशी मुद्राक संचितिक सेहो विश्वास बलवती भऽ सकैत छैक । एखनधरि मिथिलाञ्चलक संस्कृतिप्रेमीसभ सलहेसक नृत्यनाटिका देखबाकवास्ते रात-रातभरि प्रयासरत देखना जा सकैत छथि खासकऽ मजदूर आ किसान वर्गसभ । दिनभरि कडा परिश्रम कऽ थकित किसान मजदूर विशेषक दुसाधजातिक लोकसभ एकर जन्मजात प्रेमी मानल जा सकैत छैक । मिथिलाञ्चलक लोकजीवनमे एकर बड पैघ महत्व देखल जाइत छैक । ई एकटा मनोरञ्जनक बेजोड साधनक रूपमे एखनो ग्रामीण जीवनमे जीवन्त मानल जाइत छैक । कृषिप्रधान मिथिलाञ्चलमे सलहेसक नृत्यनाटिकाके महत्व वर्गातीत छैक । सलहेस लोकदेवताक रूपमे सम्पूर्ण मिथिलाञ्चलमे पूजित एवं सम्मानित छथि एवं सभ वर्ग आओर सभ जातिक श्रद्धा, निष्ठा, भक्ति, आस्था आओर विश्वासक उपयुक्त पात्र ।

सलहेससँ सम्बन्धित अन्य एतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक आओर सांस्कृतिक स्थलसब यथा मानिक दह, राजा फुलबाडी, कमल दह, महिसौथागढसब ओतबए महत्वपूर्ण मानल गेल प्रमाणित भऽ गेल छैक । ई सब सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक स्थलसब सिरहा जिलामे मात्र अवस्थित अछि । एहिसबमे राजा फुलबाडी सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानल जा सकैत छैक । सलहेस महोत्सव मधेशक प्रत्येक गाँवमे मनाएल जाइत छैक । हरेक वर्ष गाम पर्यटन (village tourism) क अवधारणाअन्तर्गत एकर विकासक लेल गुरुयोजना बनाबऽनेपाल सरकार संस्कृति मंत्रालय, पुरातत्व विभाग आओर नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह कऽ सकैत छैक । गाम पर्यटनक सम्पूर्ण पूर्वाधार सबहक प्रबर्द्धन एवं संरक्षण अति आवश्यक बुझना जाइत छैक । सलहेसक विषयमे श्रीमती शैल भ्रा मैथिली लोकनाट्य शीर्षकमे कथन छनि -

"मिथिलामे एखनो सलहेसक गहबर गाम-गाममे देखबामे आओत । एहिठाम दुसाध जातिक लोकसभद्वारा नाच आ भाओ एखनोधरि होइत अछि । एहि आयोजनमे सभ जाति आ वर्गक लोक भाग लैत छथि । सलहेस बाबाकेँ पीडीपर तस्मैक प्रसाद भोग लगाओल जाइत छनि आ लोकसभ गोहारि करएबाक लेल डाली लगबैत छथि । ई नाच लोक बड मनोयोगसँ देखैत अछि ।" -स. श्रीचन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' मैथिली लोकसाहित्य पृ. ४४ ।

सलहेससँ सम्बन्धित सभ स्थान सिरहा जिलामे अवस्थित रहल बात ऊपर उल्लेख कएल गेल छैक तखन निम्नलिखित सलहेसक गीतमे धनुषा आ मधुबनी जिलामे अवस्थित स्थानसभक वर्णन सेहो पाएल जाइत छैक ।
"गे बड-बड भकती हम इसवरसँ केलिऐ
शिलानाथ-शिलवती पुजलिऐ
रैब-शैन हम पावनि टेकलिऐ
पुरैन पातपर धार ढारलिऐ
बिसौल जाए बिसमंती पुजलिऐ
फुलहर गेलिऐ गिरजा माइ पुजलिऐ
धनुषा गोलिऐ धनुष पुजलिऐ
बुडिऐ बजारमे चूडी फेरलिऐ
गेलिऐ जनकपुर जानकी पुजलिऐ
पनरह दिन परिकरमा घमलिऐ
आ तैयो ने बड़मनमा हमरा दरसन देलकै

डॉ. रेवतीरमण लालक शब्दमे -"सलहेस गाथा चारि भागमे विभक्त अछि । ई चारु महिसौथा किला, बाधगढ किला, योगिनी किला आ पकडिया किलाक नामसँ अभिहित कएल गेल अछि ।" -डॉ. रेवतीरमणलाल : मिथिलाक सांस्कृतिक परम्परा पृ. ११३

सलहेस आ तन्त्र साधना -
तन्त्रकेँ तँ स्वयं शिवके मुँहसँ निःसृत मानल जाइत छैक । ई वैदिक छैक, वेदानुक्त छैक, वेद अतिरुद्ध छैक आओर वेदाधिक सेहो । तन्त्रक उपासना पद्धति, विधिविधान प्रत्यक्ष रूपमे प्राप्त नहि छैक तखन नन्त्र वेदसँ सम्बन्धित छैक । तन्त्र स्वयं परब्रह्म परमात्मा साक्षात् शिवस्वरूप ज्ञान मानल जाइत छैक ओकर कल्याणरूपेँ लोककल्याणक लेल लोकमे उएह शिवशक्ति गुरु-शिष्य भावमे व्यक्त भेलाक कारणेँ एकर प्राचीनता स्वयं सिद्ध भऽ जाइत छैक । तन्त्र एकटा साहित्य छैक, सेहो बात मनीषीसभद्वारा प्रमाणित कएल जा चुकल छैक । तन्त्रमे वर्णित मूल तत्व सभक स्रोत वेदकेँ मानल गेल छैक ।

सलहेस गाथाकेँ साथ तन्त्र साधनाक सम्बन्ध प्राचीन कालसँ प्रचलित छैक । एहि गाथामे वर्णित मालिनसभक तन्त्र साधनासँ जुडल तथ्यकेँ पुष्टि कएल जा सकैत छैक । एहिसम्बन्धके डॉ. प्रफुल्लकुमार सिंहक मत -"कुसुमा, दौना एवं हिरिया, जिरिया ओहि युगमे व्यवस्थित मालिन सम्प्रदायमे दीक्षित छलीह । मिथिलाञ्चलमे एहि मालिन सम्प्रदायक असार-पसार मिथिलाञ्चलसँ कामरूप कामख्यधरि छल । रूप, गुण, गति, मति एवं यौवनमे सर्वोपरि तथा सम्मोहन वशीकरण आदिमे प्रवीण मालिनक चरित्राडकन एहि गाथामे विशेषरूपेँभेल अछि ।"

मिथिलाक पूर्वाञ्चलीय लोक-गाथाक विवेचन कार्यपत्र १९९२ मे डा. रेवतीरमणलाल सेहो मालिनसभक सम्बन्ध तन्त्रसाधनासँ जुडल छैक तकर उल्लेख कएने छथि -"मालिनक स्थान मिथिलाक तान्त्रिक साधनामे बड विशिष्ट छल ।
— बाँकी ४ पेजमा

मेष :- आजको दिन लाभ,हानी, आय,व्यय, सुख, दुख वरावरी खालको समय रहनेछ । सद्बिचारले अभिप्रेरित हुनेहन्छाई बिस्तारै लाभ मिलेछ ।

वृष :- कार्य सिद्धिको योगछ । विपरित वर्गबाट विशेष सहयोग मिलेछ । जोश जाँगर र हिम्मत बढनेछ । बिनाप्रतिस्पर्धा फाइदा हुने योग छ ।

मिथुन:- जिझपनाले गर्दा काम बिग्रने डर छ । महत्वपूर्ण कार्यमा व्यवधान आइपर्ला । सौन्दर्यतामा धन खर्च हुनेछ । सरकारी निकाएको भय रहला ।

कर्कट :- एउटै कामबाट दोहोरो लाभ मिलेछ । बन्धु बान्धवबाट सहयोग मिलेछ । जोश जाँगर र हिम्मत बढनेछ । प्रेम जीवन सुखद रहनेछ ।

आजको राशिफल

सिंह:- शुभकार्य तथा सामाजिक क्षेत्रमा धन खर्च हुन सक्छ । आँटेको र ताकेको कार्य पुरा होला । आदर्श ब्यक्तिको सहकार्यले नयाँ अनुभव मिलेछ ।

कन्या :- रोकिएका कामहरु पुनः सुरु हुन सक्छन् । साहित्यिक क्षेत्रमा रुची बढनेछ । जोश,जाँगर र उमङ्ग बढनेछ । नयाँ काममा हात हालने समय छ ।

तुला :- आज मन भावुक र उताउलो रहला । उच्च महत्वाकांक्षा र विगतका गलत निर्णयले पनि काममा चुनौती र फ्रमेला आउने देखिन्छ ।

वृश्चिक :- आज धार्मिक कृत्यमा सहभागी बन्नु पर्नेछ । परिणाममुखी जिम्मेवारी वहन गर्ने समय आएको छ । श्रमको उचित मुल्यांकन हुनेछ ।

धनु :- सजिलै अरुको मन जित्न सकिनेछ । नयाँ ज्ञान सिक्ने मौका मिलेछ । आफन्तको प्रगतिमा मन रमाउने छ । नयाँ कार्य वा रोजगारको अवसर मिलेछ ।

मकर:- आज सामाजिक तथा धार्मिक कार्यमा रुचि बढनेछ । अरुलाई प्रभावित पारेर काम बन्ने छ । कार्य क्षेत्रबाट विशेष सफलता हात लाग्नेछ ।

कुम्भ:- निर्णय कार्यन्वयन हुन सक्दैनन् । आत्मबलमा कमी आउने छ । मनमा दुविधा उत्पन्न हुनेछ । मतिभ्रष्ट हुने समय छ, सचेत रहनु होला ।

मिना :- आज अनुहारमा कान्ति र मनमा शान्ति आउने छ । गरेका कामबाट राम्रै लाभ हुनेछ । दैनिक कार्यमा प्रगति हुनेछ । धर्म, कर्ममा मन लाग्नेछ ।

दिवसहरु

दिवस अर्थात अविस्मरणीय दिन (बिसर्न नहुने दिन) । मानवहरुले हरेक कृयाकलाप सुरु गर्दाको वा जन्मदा, विवाह, स्थापना गर्दा होस वा ल्याउँदा, रोपिदा, उखेलीदा, डढाउँदा, भत्काउँदा, माया लगाउँदा, बिछोड हुँदा जस्ता अन्य अविस्मरणीय क्षण (दिन) हरूको वार्षिक रूपमा सम्झना गरिने दिनलाई दिवसको रूपमा उपमा दिइ मनोरञ्जन वा पीडा गरी सम्झने चलन १०-२० वर्ष यता खुबै प्रचलनमा आएको पाइन्छ ।

हाग्रा पुर्खाहरुले यो चलन गर्न वा भोग्न पाएनन् होला ! पाए त केवल पुण्य तिथिको रूपमा आफन्तहरुको १३ औं पुण्य तिथि, १५ औं पुण्य तिथि, मासिक पुण्य तिथि, ४५ औं पुण्य तिथि, वार्षिक पुण्य तिथि र वार्षिक रूपमा श्राद्ध गरेर आफ्ना मृत परिवारको सदस्यहरुको सम्झने चलन आज सम्म पनि कायमै छ र पाइन्छ ।

मृत आत्माको सम्झना गर्ने चलन गच्छे अनुसार सिदा दान, तिर्थ श्राद्ध वा सगोल परिवार, आफन्तहरुको उपस्थितीमा एवं घर छिमेकहरु समेतलाई

आमन्त्रण गरी गर्ने चलन छ । यो चलन भने प्राय तागाधारी हिन्दुत्वका परिवारजनले गरेको पाइन्छ । विदेशीहरुले आफन्तको मृत आत्मा प्रती दाहसंस्कार पछि बिसर्पिएको हो कि भै लाग्छ वा

परिवारमा बिचलन ल्याएको छ । परिवारका नावालक सदस्यहरुको मन मस्तिस्कमा दुलो चोट पुगेको पाइन्छ । फलानोले कति भव्य रूपमा हामीलाई निम्तो गरेर मनायो,



सरोकार अम्बराज मिश्र

खर्चको अभावमा नगरेको हो भै लाग्छ ।

नव जन्मजातको न्वारान, पास्नी, ब्रतबन्ध, विवाह बाहेकको कुनै पनि दिवस मनाईएको थिएन, त्यो पनि जिवनमा एक पटक मात्र हुन्थ्यो ।

यस बाहेक नेपालमा राजा महाराजा, दुल्लुला घरानाको प्रमुखहरुको मात्र दिवस मनाउने चलन चल्दै आएको हो । हिजो आज दिवस मनाउन जन्मदै तीन पात भने भै परिवारका हरेक सदस्यको वार्षिक रूपमा जन्म दिन मनाउने चलनले बढोत्तरी पाएको छ । यो चलनले हुनेखानेहरुले त पर्वकै रूपमा समाजलाई चकित पार्ने गरी मनोरञ्जन गरी भव्य रूपमा प्रदर्शन गरिएको देखिन्छ । यस्ता कार्यहरुले हुँदा खानेहरुको

हामी पनि त्यसरी नै मनाऔं भनेर अविभावकहरुमा दबाब सृजना गराइन्छ । अफ भन्ने हो भने प्रणय दिवस (भ्यालेन्टाइन डे) ले हिजो आज आक्रान्त रूप लिएको छ । हरेक घरका युवा युवतीहरु आफु खुशि स्कूले साथीहरु देखि नै आफ्ना अविभावकहरुको आँखा छलेर प्रेममा लड्दैएको पाइन्छ । आफ्ना घरका सदस्यहरु बाहेक समाजका सदस्यहरुसँग बिना शर्म देख्याउने प्रचलनले समाज नै अस्तब्यस्त भएको छ । को धनी, को गरिब, कुन जात, कुन धर्म, के शिक्षा, कस्तो शिक्षाको समेत ख्यालै नगरी प्रणय दिवसको नाममा जीवन ध्वस्त बनाईदछ । के युवा, के बुढाबुढी, के अधवैशे सबै प्रणय दिवसमा एकोहोरिएको

देखेर अब चै के पो सम्म हुने हो ? यो समाज अन्यौलमा छ, कोहि कसैले निकास दिन नसकिरहेका देखिन्छन ।

प्रेम भनेको आफू सुहाउँदो शिक्षा, जात, धर्म, उमेर, पद र सम्पती भएकाहरुसँगको प्रेमले सार्थकता पाएको देखिन्छ । तर एकथरि प्रेममा त्यस्तो केही हेरिदैन भन्ने पनि छन । ती सबै हेरेर गरेको प्रेम प्रायः अजर अमर देखिएका छन भने केही नबुझि गरेको प्रेम जीवनको आधा यात्रामै टुँगिएको दृष्टान्तहरु पनि पाइन्छ । एक पछि अर्को जोडीसँग भएको प्रेम आधा नै खल्लो हुनु पर्दछ, आफ्ना दैतरीको अधि लज्जित हुनु पर्ने र पहिलो प्रेमबाट भएका वा जन्म भएका सन्तानको सुखबाट पर हुनु पर्ने जस्ता अनेकन कानुनी अप्प्याराहरु पनि भेल्नु पर्ने हुन्छ होला ।

अफ २१ औं शताब्दीको उपलब्धि पनि होला, उमेरको आवेगमा गरिएका पहिलो प्रेम गलत भएर वा पछि चित्त नबुझेर बिछोडीने विवाहित जोडीहरु पनि चित्त बुझ्दो जोडीको खोजीको क्रममा गरिने प्रेम आजको समाजमा देख्न र सुन्न पाईन थालेको छ । जो समाजको बिकृती भनिन्छ ।

धन्यवाद

हांगाले छोपेर राखिएको अवस्थामा फेला परेको उनको भनाइ छ ।

बालकलाई स.१ त. ७७५२ नम्बरको गाउँकै ट्याक्टरले ठक्कर दिएर मारेको प्रारम्भिक अनुसन्धानमा खुलेको डिएसपी साहको भनाइ छ । घटना लुकाउने नियतले चालकले शवलाई बगैचामा लगी यसरी छोपेको प्रहरीको भनाइ छ । गाउँमै माटो ओसारपोसार गर्ने काममा लागेका सो ट्याक्टर

घटनाका दिन सोही क्षेत्रमा ओहोरदोहोर गरेको सूचनाको आधारमा अनुसन्धान सुरु गर्दा सत्यतथ्य खुलेको प्रहरीको भनाइ छ । ट्याक्टरलाई नियन्त्रणमा लिइसकिएको छ भने पहिचान भइसकेका चालक हाल फरार रहेको उनले जानकारी दिएका छन् । बालकको शव पोष्टमार्टमका लागि गजेन्द्र नारायण सिंह अस्पतालमा पठाई थप अनुसन्धान भइरहेको जिल्ला प्रहरी कार्यालय सप्तरीले जनाएको छ ।

महत्वपूर्ण टेलिफोन नम्बरहरु

| | |
|---|------------|
| वारुण यन्त्र, लहान | ०३३-५६३११५ |
| ईलाका प्रहरी कार्यालय, लहान | ०३३-५६०१५५ |
| ईलाका प्रशासन कार्यालय, लहान | ०३३-५६०२६६ |
| जि.ट्राफिक कार्यालय, लहान | ०३३-५६०७३७ |
| लहान नगरपालिकाको कार्यालय | ०३३-५६३१३८ |
| नेपाल विद्युत प्राधिकरण, लहान | ०३३-५६०२४६ |
| सव स्टेशन, लहान | ०३३-५६०४०० |
| नेपाल टेलिकम, लहान | ०३३-५६०४४४ |
| प्राविधिक शिक्षालय, लहान | ०३३-५६००१६ |
| अञ्चल यातायात कार्यालय, लहान | ०३३-५६०२१७ |
| रा.उ.स्मारक अस्पताल, लहान | ०३३-५६००१५ |
| आ. राजस्व कार्यालय, लहान | ०३३-५६००८८ |
| कृषि विकास बैंक, लहान | ०३३-५६०१४७ |
| कृषि सामाग्री संस्थान, लहान | ०३३-५६०१४८ |
| घरेलु तथा साना उद्योग, लहान | ०३३-५६०१२८ |
| दु.शा.अतिथि सदन, लहान | ०३३-५६०१६५ |
| आँखा अस्पताल, लहान | ०३३-५६००८० |
| जे.एस.मु.ब.क्याम्पस, लहान | ०३३-५६०२५२ |
| रक्त संचार केन्द्र, लहान | ०३३-५६०५७५ |
| मारवाडी सेवा सदन, लहान | ०३३-५६१४११ |
| जि.प्रशासन कार्यालय, सिरहा | ०३३-५२०१२३ |
| जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सिरहा | ०३३-५२०११२ |
| नगर प्रहरी, सिरहा | ०३३-५२०२६७ |
| प्रहरी चौकी, माडर (सिरहा) | ०३३-५२०४०० |
| को.ले.नि.का. सिरहा | ०३३-५२०१३० |
| कृषि विकास बैंक, सिरहा | ०३३-५२०४७० |
| जिल्ला समन्वय विकास कार्यालय, सिरहा | ०३३-५२००३७ |
| सिरहा जिल्ला अदालत, सिरहा | ०३३-५२००५६ |
| जिल्ला अस्पताल, सिरहा | ०३३-५२००६४ |
| जनस्वास्थ्य कार्यालय, सिरहा | ०३३-५२००८१ |
| जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई शाखा, सिरहा | ०३३-५२०००४ |
| नेपाल टेलिकम, सिरहा | ०३३-५२००३३ |
| नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सिरहा | ०३३-५२०१६१ |
| राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक, सिरहा | ०३३-५२०००२ |
| रेडक्रस सोसाइटी, सिरहा | ०३३-५२००५५ |
| ईलाका प्रहरी कार्यालय, मिर्चैया | ०३३-५५०१०० |
| कृषि विकास बैंक, मिर्चैया | ०३३-५५०००५ |
| सिता नोबेल न्यूज सेन्टर | ०३३-५६००२७ |
| सविना बुक्स एण्ड सप्लायर्स लहान-७ | ०३३-५६०५११ |
| स्वस्तिका इलेक्ट्रिक एण्ड जेनरल अर्डर सप्लायर्स लहान-१० | ५८४२८५०५६५ |

हात्ती...

आकस्मिक राहत स्वरूप जनही १० किलो चाम, आधा किलो दाल र आधा लिटर तेल वितरण गरेको छ ।

'नगरपालिकाले प्रभावित बस्तीको अनुगमन गरी राहत बाँड्दा ढिलो हुने भएकाले त्यतिज्वलसम्म पीडितहरु भेकभेकै पर्न सक्ने अवस्थालाई मध्यनजर गर्दै तत्काल केही राहत दिइएको संगमका कार्यकारी निर्देशक गणेशप्रसाद रामले बताए ।

मसिरको दोस्रो सातादेखि मानव बस्ती नजिकै पर्ने चुरे जंगलबाट गाउँ पसेको पाँचवटा जंगली हात्तीको समूहले सप्तरीको पश्चिम उत्तरवर्ती पछिल्लो सप्तरीको उत्तर पश्चिमी भेगमा पर्ने सुरुङ्गाको श्रीपुर, खोरिया टोल, लक्ष्मीपुर, दौलतपुर, कडहवा, चहका, विषनरिया लगायतका

गाउँमा जंगली हात्तीको समूहले घर भत्काईदिने, अन्नपात खाइदिने थालेपछि स्थानीय आतंकित बनेका छन् ।

लहान १५ ढोढना मोहनपुर गाउँमा बुधबार राती जंगली हात्तीको समूहले स्थानीय आधा दर्जन जनाको घर भत्काएर अन्नपात खाइदिएको वडाध्यक्ष तेजनारायण चौधरीले बताए । त्यसअघि गत २५ मसिरको राती ९ बजेतिर सुरुङ्गा १ चहका गाउँमा मुसहर बस्तीको १८ घर भत्काउनुका साथै अन्नपात खाइदिएको थियो । सिराहा सप्तरीको उत्तरी क्षेत्रमा प्रायः हरेक हिउँदमा पूर्वी भेगबाट चुरे जंगल हुँदै आउने जंगली हात्तीको समूहले स्थानीय बासिन्दाको घर भत्काईदिने, बालीनाली खाइदिने गरेको छ । सप्तरीको राजविराजस्थित डिभिजन वन कार्यालयका वन अधिकृत सन्तोष भाले हात्तीको आक्रमणबाट जोगिन

सजग रहनुको बिकल्प नरहेको बताए । संरक्षित जनावर हो, केही गर्न मिल्दैन, यद्यपि मानवीय क्षति हुन नदिन स्थानीय प्रशासन, वन र प्रहरीको टोलीले प्रभावित बस्तीहरुमा पुगेर सजग गराइरहेका छौं वन अधिकृत भाले भने ।

विद्युत...

भएकोले ढिलो गरी थाहा हुँदा समयमै पीडितको उद्धार गर्न नसकेको स्थानिय सत्यनारायण यादवले बताए ।

टिनको छाना तथा फुस र टाटीको बेराले बनेको घरका साथै लत्ता कपडा, भाडाकुडा, खाद्यान्नलगायतका सरसामान जलेर नष्ट हुँदा करिब ३ लाख रुपैयाँ बराबरको क्षति भएको मृतकका छोरा मिश्रिलालले बताए । आगलागीमा एक चौपायसमेत जलेर मरेका छन् । राजविराज नगरपालिकाको

बारुणयन्त्र, स्थानियवासी र प्रहरीको मद्दतले एक घण्टको प्रयासपछि आगो नियन्त्रण गरिएको राजविराज नगरपालिका बारुणयन्त्र विभागका कर्मचारी गघन बहादुर बुढाथोक्किले बताए । आगो नियन्त्रणमा आएपछि पहिचान नै हुन नसक्ने अवस्थामा कोठाको कुनामा फलाईको शव फेला परेको तथा पोष्टमार्टमका लागि गजेन्द्र नारायण सिंह अस्पताल पठाइएको डिएसपी साहले बताए ।

वेपत्ता...

चिन्तित बनेका बुबा रोहितले राती १० बजेतिर खबर गरे लगत्तै खोजतलास गरिएको डिएसपी भुवनेश्वर साहले बताए । खोजतलासकै क्रममा शुक्रबार बालक आनन्दको शव आँप बगैचामा पराल र आँपको

नगरवासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं । २. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताऔं, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाऔं । ३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढ्ने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाऔं । ४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं । ५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोलयुक्त खाने कुराहरु खाने बानीको विकास गरौं । ६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरुको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउँदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाऔं । ७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरुन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं । ८. शीत-लहर चलेको बेलामा पात्तु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाऔं । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाऔं । ९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरुन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाऔं । १०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पार्दा पर्याप्त भेण्टिलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभुलौं ।

| | |
|--|-------------------------------------|
| | लहान नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | मिर्चैया नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | कल्याणपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | गोलबजार नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |

| | |
|--|------------------------------------|
| | कर्जन्हा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | सुखिपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | धनगढीमाई नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |
| | सिरहा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा |

कोभिड भ्याक्सिन : फार्मास्युटिकल्स कम्पनीले कमाउलान् बम्पर नाफा ?

कोरोना महामारीको सुरुवातताका धेरै अनुमानित विवरणहरू सार्वजनिक भए । कसैले कोरोना खोप ल्याउनको लागि वर्षौं लाग्न सक्ने अनुमान सार्वजनिक गरियो । कुनै पनि रोगको खोप विकास गर्न वर्षौं लाग्छ भन्ने मान्यता थियो । त्यसकारण खोपहरूको बारेमा धेरै आशा गर्नुभन्दा पनि खोपको विकास नहुँदासम्म यसबाट सतर्क भएर बाँच्नु नै उपयुक्त हुने उनीहरूको तर्क थियो । अहिले नेपालमा पनि कोरोनाको संक्रमण देखिएको १० महिना पुगेको छ । विगत केही समयदेखि कोरोना खोपको बारेमा चर्चा चल्ने गरेको छ । नेपालले खोपको विकासमा अग्रसरता नदेखाएको भए पनि खोप कहाँबाट ल्याउने भन्ने बारेमा भने चर्चा चलिरहेको छ । अहिले खोप निर्माण गर्ने अमेरिकी बायोटेक कम्पनी मोडेर्ना र जर्मनीको बायोएन्टेक कम्पनी आफ्नो साभेदारीमा अरबौं रूपैयाँको व्यापार गर्नेवाला छन् भन्ने निश्चित छ । तर कति आम्दानी गर्छन् भन्नेबारेमा भने यकिन छैन । खोपको विकासको लागि जुटेको लगानीलाई आधार मान्दा त यी कम्पनीहरूले त्यति लामो समयसम्म यसबाट मुनाफा पाउन सक्ने देखिँदैन ।

क-कसले पैसा लगानी गरेको छ ?

महामारीको समयमा खोपको आवश्यकता देखेर सरकार र कोषमा पैसा लगानी गर्ने निजी कम्पनी समेत गरेर विश्वमा अरबौं पाउण्ड पैसा जम्मा भएको छ । गेट्स फाउन्डेसन जस्ता संगठनहरूले खुला रूपमा यी योजनाहरूलाई सहयोग गरेका छन् । यसबाहेक धेरै व्यक्तिहरूले समेत आफ्नो तर्फबाट यी योजनालाई समर्थन गरेको देखिन्छ । अलीबाबाका संस्थापक ज्याक मा र संगीत स्टार डोली पार्टनले पनि व्यक्तिगत रूपमा यो योजनाको लागि सहयोग गरेका छन् ।

विज्ञान डाटा एनालाइटिक्स कम्पनी एयरफिनिटीका अनुसार विभिन्न देशका सरकारले कोरोना खोपको विकासको लागि ६.५ बिलियन पाउण्ड दिइएको छ । त्यस्तै, त्यस्तै विश्वभरिका गैरसरकारी संस्थाको तर्फबाट पनि १.५ बिलियन पाउण्ड संकलन भएको छ । विभिन्न कम्पनीहरूले आफ्नो छुट्टै लगानीबाट भने २.५ अरब पाउण्ड खर्च गरेका छन् ।

विगतमा यस्तो आपतकालीन खोप उत्पादन गर्ने काम धेरै लाभदायक नभएका कारण पनि ठूलो कम्पनीहरूले यसमा धेरै चासो देखाएनन् । भ्याक्सिन पत्ता लगाउने प्रक्रियामा समय लाग्छ । गरिब देशहरूलाई भ्याक्सिनको ठूलो मात्रा चाहिन्छ तर उच्च मूल्यका कारण उनीहरूले यसलाई तत्काल

प्रयोग गर्न सक्दैनन् । जीका र सार्स जस्ता रोगहरूका लागि खोपहरू उत्पादन गर्ने कम्पनीहरूले ठूलो नोक्सान भोग्नुपरेको इतिहास छ । अर्कोतर्फ, फ्लु जस्तो रोगको खोप बजार अरबौंको छ । यस्तो अवस्थामा यदि कोभिड १९ फ्लु जस्तै प्रकृतिको छ र यसलाई वर्षेनि लगाउनुपर्छ भने यो कम्पनीहरूको लागि लाभदायक हुन सक्छ । तर एक पटक लगाएपछि दुक हुने हो भने त यसले उत्पादक कम्पनीहरूलाई घाटामात्रै लगाउँछ ।

तिनीहरूले के-कति मूल्य राख्छे छन् ?

बाहिरबाट समेत यति धेरै फण्डिङ प्राप्त भएका कारण धेरै खोप निर्माता कम्पनीहरू खोपको मूल्य धेरै नराख्ने पक्षमा छन् । उनीहरूले विश्वव्यापी संकटको यस समयमा जति लागत छ त्यतिमात्रै मूल्य राख्ने तयारी गरेका छन् । संयुक्त राज्यका प्रमुख औषधि कम्पनीहरू जस्तै जोनसन र बेलायतको एस्ट्राजेनेकाले अक्सफोर्ड विश्वविद्यालयमा आधारित बायोटेक कम्पनीसँग नजिकबाट काम गरिरहेको छ ।

हालसम्मको कुरा अनुसार प्रति डोज ४ डलरसम्म पर्ने सम्भावना छ । मोर्डना एक सानो जैवप्रौद्योगिक(बायोटेक्निकल) कम्पनी हो । जुन वर्षौंदेखि आरएनए खोपसम्बन्धी प्रविधिमा काम गर्दै आएको छ । उनीहरूले



लगाएको खोपको मूल्य प्रतिडोज करिब ३७ डलर पर्ने गरेको पाइन्छ । तिनीहरूको उद्देश्य कम्पनीको शेयरधारकहरूको लागि नाफा कमाउनु हो । यद्यपि यसको मतलब यो होइन कि कोरोना भाइरसको मूल्य पनि सोही अनुसार तय भयो । अहिलेसम्म यसको मूल्यको बारेमा कुनै छलफल भएको छैन ।

सामान्यतया औषधि कम्पनीहरूले विभिन्न देशमा फरक शुल्क तिर्ने गर्छन् । यो सरकारमा निर्भर हुने कुरा हो । एस्ट्राजेनेकाले महामारीका कारण आफ्नो उत्पादनको मूल्य कम गर्न बताइसकेको छ । उनीहरूले अर्को वर्षबाट तुलनात्मक रूपमा उच्च मूल्यमा खोप बेच्न थाल्ने संकेत गरेका छन् ।

बार्कले जका युरोपेली फार्मास्युटिकल्सका प्रमुख एमिली फिल्ड्स भन्छिन्, 'अहिले धनी देशहरूको सरकारले कोरोना खोप प्राप्त भयो भने जति पैसा परे पनि तिर्नतयार छ, किनकी

उसलाई जतिसक्थो छिटो कोरोना मुक्त भनेर सामान्य जीवनशैलीमा फर्किनुछ । उनी सम्भवतः अर्को वर्षसम्ममा बजारमा अनेक किसिमको भ्याक्सिनहरू आउन थाल्छ । जसले प्रतिस्पर्धाका कारण पनि मूल्य घटाउन बाध्य हुन्छन् ।

एयरफाइनिटीका प्रमुख एक्ज्युकेटिभ रस्मस बेक हेन्सेन भन्छन्, 'यस बीचमा हामीले निजी कम्पनीहरूको पनि अपेक्षा गर्नुहुँदैन । विशेषगरी त्यस्ता कम्पनीहरू जुन साना छन् र अरु कुनै उत्पादन बेच्दैनन् । त्यसैले उनीहरूबाट आशा नगर्नुहोस् । तिनीहरूले बिना मुनाफा घटाउन सक्छन् । तर साना कम्पनी त्यो अवस्थामा नहुने भएकोले यसलाई यी कम्पनीबाट सस्तोमा खोपको अशा गर्न नहुने उनको धारणा छ । अनलाईनखबरबाट ।

सम्मानित लोकनायकक रूपमे प्रतिष्ठित भऽ गेल बात सभ समाजशास्त्रीके स्वीकार करहि पडत । तदर्थ सलहेसक महत्त्व एखन आओर बढि गेल छैक ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-
अङ्ग्रेजी भाषामे लिखित
1. Deepak Chaudhary : Tatai/Madhes of Nepal. Rathapustak Bhandar-2011.
2. Radha Krishna Chaudhary : Mithila in the age of Vidyapati
3. Shaphslya Amatya : Archaeological and cultural Hetitages of Kathmandu Valley : Ratna p. Bhandar, 20011
नेपालीमे लिखित
मोतीलाल पराजुली : नेपालमा प्रचलित नृत्य र नृत्यनाटिकाहरू, साभ प्रकाशन : २०६३
मैथिलीमे लिखित
१. डा. रेवती रमणलालः मिथिलाक सांस्कृतिक सम्पदा : रामानन्द युवा क्लब, जनकपुरधाम २००८
२. सं. चन्द्रनाथ मिश्र : 'अमर' : मैथिली लोक साहित्य : साहित्य अकादमी दिल्ली, २००६
पत्रिका :
१. संस्कृति : नेपाल सांस्कृतिक संघ, डिल्लीबजार, काठमाडौं २०६८
२. द पब्लिक : वैशाख २०६८; मई २०११

सलहेस...

दौना मालिन एहि वर्गक छलीह । राज सलहेसकै एहि वर्गक पूर्ण सहयोग प्राप्त छल । दौना मालिन चार बहिनक सम्बन्ध योगिनी गुफासँ छल । -डा. रेवतीरमणलाल :मिथिलाक सांस्कृतिक परम्परा पृ.१११ । लोकनायक सलहेस शैलेश शब्दक अपभ्रंश रूप अछि सलहेस जकर शाब्दिक अर्थ होइत छैक पर्वतक मालिक (राजा) । शैल+ईश ।

शै अर्थ पहाड या पर्वत आओर ईशक अर्थ मालिक । सलहेस दुसाध जातिक लोकप्रिय लोकदेवता छथि । दुसाध शब्दक अर्थ होइत छैक दुःसाध्य अर्थात् कठीन । सलहेस एखन दुसाधक मात्र पूजनीय एवं सममाननीय देवता नहि छथि अपितु ई सम्पूर्ण मिथिलाञ्चलक लोकनायकक रूपमे विख्यात छथि । मिथिलाञ्चक मात्र नहि कहि सम्पूर्ण मधेशक लोकदेवताक रूपमे गाम-गाममे पूजल जाइत छथि । आजुक

लोकतन्त्रमे सलहेसक प्रसिद्ध एवं ख्याति सर्वत्र व्याप्त भऽ गेल छैक । एखन ई कोनो जाति विशेषक लोकदेवता नहि भऽ कऽ सर्वत्र एकटा लोकनायकक रूपमे पूजित सर्वमान्त्र देवता भऽ गेल बात सभकै ज्ञात भऽ गेल बात सभकै ज्ञात भऽ गेल छैक । दुसाध जाति महाभारतकालसँ परिचित जातिक रूपमे विख्यात जाति छैक । एकटा नेपाली समाजशास्त्रीक शब्दमे -"Some people believe that Dusadh is

the corrupted from of Dusadhya a Sanskrit word, referring to being txtremely others also believe that Dusadh. The succeeding generations of Dusasan of the Mahabharata"-Deepak Chaudhary : Tarai/Madhes of Nepal . p.136

आइकाल्हि जाति-पाँतिक भेदभाव अन्त भऽ गेलाक कारणे सलहेस सर्वत्र पूजित एवं

भौतिक दुरी कायम गरी कोरोना भाइरसको संक्रमणबाट आफू पनि बचाऔं र अरुलाई पनि बचाऔं ।

--: जनहितका लागि :-

हरिक खबर, विशेष खबर

मि.प्र.का.सि.द.नं. ११७/०७६/०७७

राष्ट्रिय दैनिक

लहानपोस्ट
LAHANPOST DAILY

गाउँपालिकावासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं । २. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताऔं, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाऔं । ३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाऔं । ४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं । ५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोल्युक्त खाने कुराहरू खाने बानीको विकास गरौं । ६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरूको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउंदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाऔं । ७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरुन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं । ८. शीत-लहर चलेको बेलामा पाल्तु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाऔं । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाऔं । ९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरुन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाऔं । १०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पार्दा पर्याप्त भेण्टिलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभुलौं ।

| | |
|--|--|
| बरियारपट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा | अर्नमा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा |
| नवराजपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा | भगवानपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा |
| लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा | औरही गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा |
| सखुवानन्कारकट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा | नरहा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा |